

**इस्पात मंत्रालय**  
**राज्य सभा**  
**अतारंकित प्रश्न संख्या 3675**  
**04 अप्रैल, 2022 को उत्तर के लिए**

**इस्पात का उत्पादन**

**3675. श्री नीरज डांगी:**

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) वर्तमान में देश में इस्पात खनन और उत्पादन में लगी इकाइयों का उनकी उत्पादन क्षमता सहित ब्यौरा क्या है;
- (ख) उन स्थानों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है जहाँ सरकारी और गैर-सरकारी इकाइयाँ इस्पात का उत्पादन कर रही हैं; और
- (ग) सरकार द्वारा इस्पात उत्पादन में सुधार करने और बढ़ाने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**इस्पात मंत्री**

**(श्री राम चन्द्र प्रसाद सिंह)**

(क) और (ख): वर्तमान में इस्पात उत्पादन में शामिल इकाइयों, सार्वजनिक और निजी क्षेत्र दोनों, की उत्पादन क्षमता के साथ उनका विवरण **अनुलग्नक** में दिया गया है। भारतीय खान ब्यूरो द्वारा प्रकाशित भारतीय खनिज वार्षिक पुस्तक, 2019 के अनुसार, वर्ष 2018-19 में, 254 खानों के बारे में सूचना दी गई थी, जिसमें से 35 सार्वजनिक क्षेत्र में और 219 निजी क्षेत्र में थीं।

(ग): इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है और सरकार की भूमिका एक सुविधाप्रदाता की है। इस्पात उत्पादन की वृद्धि संबंधी निर्णय अलग-अलग कंपनी (निजी और सार्वजनिक क्षेत्र, दोनों) द्वारा बाजार की गतिशीलता के आधार पर लिया जाता है। सरकार ने देश में इस्पात उत्पादन को बढ़ाने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए हैं:-

- (i) मेड इन इंडिया इस्पात की अधिप्राप्ति को बढ़ावा देने हेतु घरेलू रूप से विनिर्मित लौह एवं इस्पात उत्पाद (डीएमआई एंड एसपी) नीति को अधिसूचित करना।
- (ii) घरेलू रूप से उत्पन्न स्क्रैप की उपलब्धता को बढ़ाने के लिए इस्पात स्क्रैप पुनर्चक्रण नीति को अधिसूचित करना।
- (iii) गैर-मानकीकृत इस्पात के विनिर्माण और आयात को रोकने के लिए इस्पात गुणवत्ता नियंत्रण आदेश को जारी करना।
- (iv) 6,322 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ विशेष इस्पात के लिए उत्पादन-संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना।
- (v) इस्पात क्षेत्र में निवेश को आकर्षित करने और सुगम बनाने के लिए मंत्रालय में परियोजना विकास प्रकोष्ठ की स्थापना करना।

\*\*\*\*

इकाइयों की राज्य-वार संख्या और इस्पात उत्पादन क्षमता का विवरण (2021-22)

क. सार्वजनिक क्षेत्र		
		('000 टन)
राज्य	इकाई	क्षमता
<b>स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया (सेल)</b>		
छत्तीसगढ़	भिलाई इस्पात संयंत्र	7000
पश्चिम बंगाल	दुर्गापुर इस्पात संयंत्र	2200
ओडिशा	राउरकेला इस्पात संयंत्र	3800
झारखंड	बोकारो इस्पात संयंत्र	4600
पश्चिम बंगाल	इस्को इस्पात संयंत्र	2500
पश्चिम बंगाल	मिश्रधातु इस्पात संयंत्र	234
तमिलनाडु	सेलम इस्पात संयंत्र	180
कर्नाटक	विश्वेश्वरैया लौह और इस्पात लिमिटेड	118
<b>कुल</b>		<b>20632</b>
<b>राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल)</b>		
आंध्र प्रदेश	विजाग इस्पात संयंत्र	6300
<b>कुल सार्वजनिक क्षेत्र</b>		<b>26932</b>
<b>ख. निजी क्षेत्र</b>		
		('000 टन)
राज्य	इकाइयाँ	क्षमता
आंध्र प्रदेश	19	2212
असम	8	163
बिहार	12	812
छत्तीसगढ़	94	13900
दादरा और नगर हवेली	14	286
दमन और दीव	3	50
दिल्ली	2	16
गोवा	10	495
गुजरात	74	13412
हरियाणा	15	1056

हिमाचल प्रदेश	25	1632
जम्मू और कश्मीर	8	189
झारखंड	24	14806
कर्नाटक	25	16431
केरल	27	473
मध्यप्रदेश	13	987
महाराष्ट्र	59	17860
मेघालय	5	156
ओडिशा	55	20759
पुदुचेरी	10	451
पंजाब	116	5446
राजस्थान	28	933
तमिलनाडु	86	3478
तेलंगाना	27	2033
त्रिपुरा	1	30
उत्तर प्रदेश	38	1559
उत्तराखंड	40	1512
पश्चिम बंगाल	40	6199
<b>कुल: निजी क्षेत्र</b>	<b>878</b>	<b>127337</b>
<b>कुल: सार्वजनिक क्षेत्र</b>	<b>9</b>	<b>26932</b>
<b>कुल योग</b>	<b>887</b>	<b>154269</b>
स्रोत: संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी)		

\*\*\*\*